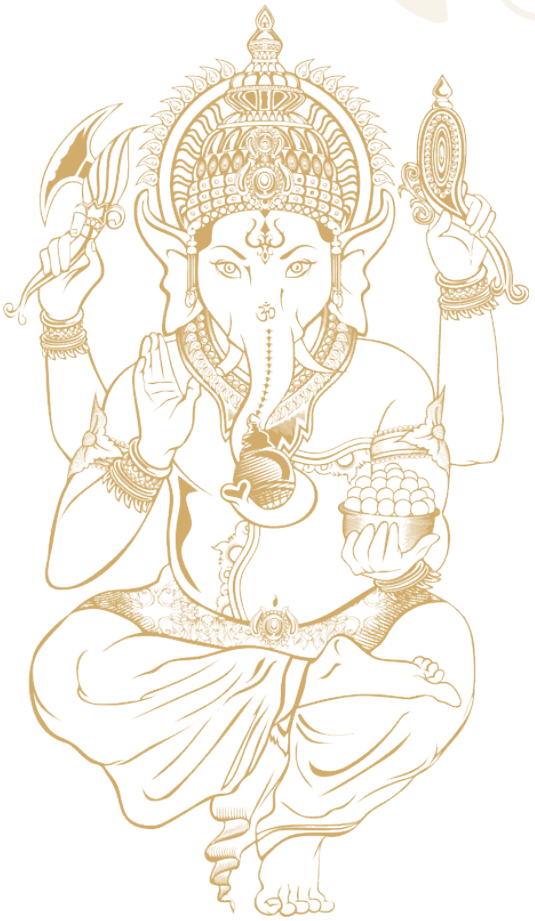

11 Oct 1999

08:16 PM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121069807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/10/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**20:16:00 घंटे**
इष्ट	34:57:47 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:57:16 घंटे
वेलान्तर	00:13:06 घंटे
साम्पातिक काल	21:16:16 घंटे
सूर्योदय	06:16:53 घंटे
सूर्यास्त	17:54:02 घंटे
दिनमान	11:37:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:59:25 कन्या
लग्न के अंश	09:08:01 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	09:08:01	389:02:36	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	23:59:25	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	सम राशि
चंद्र			तुला	18:17:26	12:10:51	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	02:14:34	00:42:44	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			तुला	15:12:40	01:21:53	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	07:41:50	00:07:42	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	09:09:06	00:47:47	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	21:49:08	00:03:58	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	16:33:42	00:12:11	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	16:33:42	00:12:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:04:08	00:00:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:44:22	00:00:05	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:39:24	00:01:39	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मक	22:45:23	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:59

लग्न-चलित

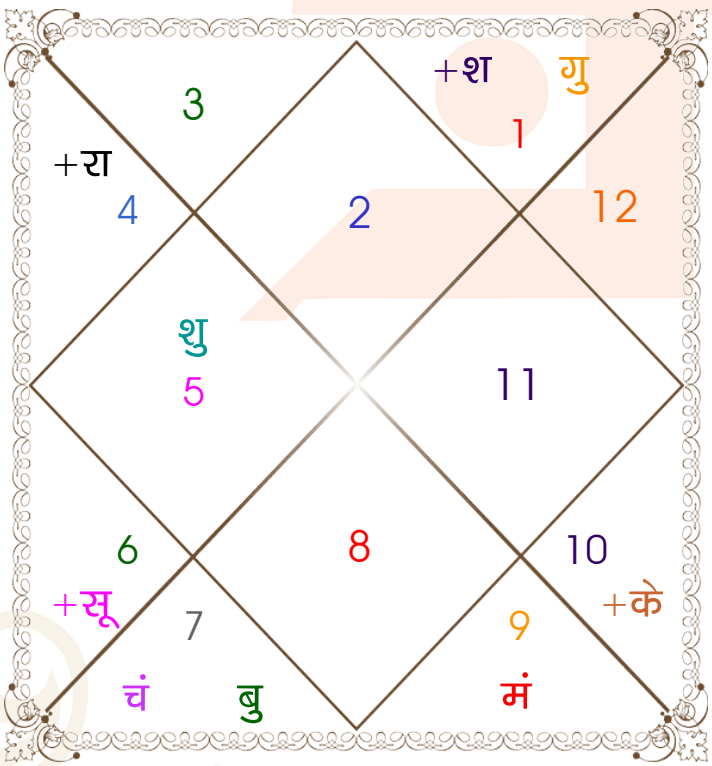

चन्द्र कुंडली

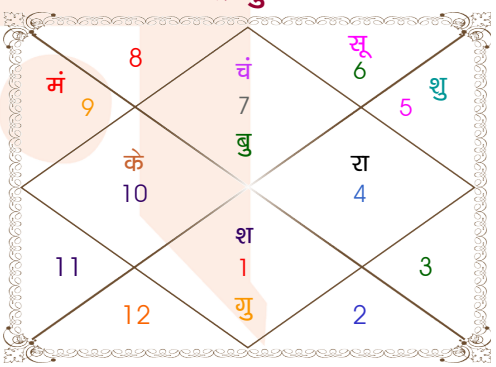

नवमांश कुंडली

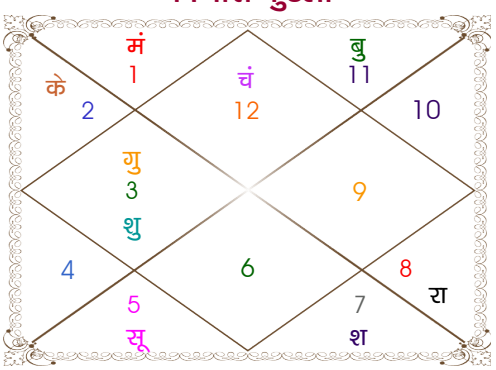

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 3 मास 21 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/10/1999		31/01/2002		31/01/2018		31/01/2037		31/01/2054	
31/01/2002		31/01/2018		31/01/2037		31/01/2054		31/01/2061	
	00/00/0000	गुरु	20/03/2004	शनि	03/02/2021	बुध	30/06/2039	केतु	29/06/2054
	00/00/0000	शनि	02/10/2006	बुध	14/10/2023	केतु	26/06/2040	शुक्र	30/08/2055
	00/00/0000	बुध	07/01/2009	केतु	22/11/2024	शुक्र	27/04/2043	सूर्य	04/01/2056
	00/00/0000	केतु	14/12/2009	शुक्र	23/01/2028	सूर्य	02/03/2044	चंद्र	04/08/2056
	00/00/0000	शुक्र	14/08/2012	सूर्य	04/01/2029	चंद्र	02/08/2045	मंगल	01/01/2057
	00/00/0000	सूर्य	02/06/2013	चंद्र	05/08/2030	मंगल	30/07/2046	राहु	19/01/2058
	11/10/1999	चंद्र	02/10/2014	मंगल	14/09/2031	राहु	15/02/2049	गुरु	26/12/2058
चंद्र	13/01/2001	मंगल	08/09/2015	राहु	21/07/2034	गुरु	24/05/2051	शनि	04/02/2060
मंगल	31/01/2002	राहु	31/01/2018	गुरु	31/01/2037	शनि	31/01/2054	बुध	31/01/2061

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
31/01/2061		31/01/2081		01/02/2087		31/01/2097		02/02/2104	
31/01/2081		01/02/2087		31/01/2097		02/02/2104		00/00/0000	
शुक्र	02/06/2064	सूर्य	21/05/2081	चंद्र	02/12/2087	मंगल	29/06/2097	राहु	15/10/2106
सूर्य	02/06/2065	चंद्र	19/11/2081	मंगल	02/07/2088	राहु	18/07/2098	गुरु	10/03/2109
चंद्र	01/02/2067	मंगल	27/03/2082	राहु	01/01/2090	गुरु	24/06/2099	शनि	15/01/2112
मंगल	02/04/2068	राहु	19/02/2083	गुरु	03/05/2091	शनि	02/08/2100	बुध	03/08/2114
राहु	02/04/2071	गुरु	08/12/2083	शनि	01/12/2092	बुध	31/07/2101	केतु	21/08/2115
गुरु	01/12/2073	शनि	19/11/2084	बुध	03/05/2094	केतु	27/12/2101	शुक्र	21/08/2118
शनि	31/01/2077	बुध	25/09/2085	केतु	02/12/2094	शुक्र	26/02/2103	सूर्य	16/07/2119
बुध	02/12/2079	केतु	31/01/2086	शुक्र	01/08/2096	सूर्य	04/07/2103	चंद्र	12/10/2119
केतु	31/01/2081	शुक्र	01/02/2087	सूर्य	31/01/2097	चंद्र	02/02/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 3 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न में मीन का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। उपयुक्त लग्न नवमांश के प्रभाव से आप जब मानवीय जीवन में प्रवेश किए अर्थात् बाल्यकाल से ही आपका जीवन अच्छे विचार से प्रारंभ हुआ। यथा उत्तम प्रकार का भोजन, उदार भावना, उत्कृष्ट साज-श्रृंगार पहनावा आदि अन्य व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आप काम शक्ति भावना से प्रेरित हैं, तथा आप अपनी संपत्ति को यथा संभव अखंडित एवं अपव्यय रहित धन कोष की वृद्धि के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहने का ज्ञान आप में विद्यमान है। आप धन की महत्ता को भलीं प्रकार जानते हैं, तथा धन संचयन को महत्व देते हैं। आप अपने धन का निवेश एवं व्यय के प्रति अत्यंत सतर्क रहेंगे। तथापि आपकी एक छोटी यह समस्या है कि अकस्मात् आप ठीक निर्धारित समय पर काम के प्रति आलस्य ग्रस्त हो जाते हैं, तथा शीघ्र ही उस कार्य को सुलभ और आसान समझ लेते हैं। आपको इस प्रकार की मनोवृति में बदलाव लाना अर्थात् दमन करना आवश्यक है।

यद्यपि आप सांसारिक सुखों से युक्त, धन से संपन्न एवं अत्यधिक सुसंस्कृत हैं। आप बहुत बड़े धार्मिक तथा धर्मस्थलों की यात्रा भी करते रहते हैं। आप अब तक निश्चित रूप से कई आंशिक यात्रा के क्रम में सामुद्रिक यात्रा करके बहुत व्यापाक रूप से मित्र बनाए हैं और बहुत मात्रा में देश और विदेश के क्षेत्रों में आपके कई घनिष्ट मित्र बन चुके हैं। वे लोग आपके कार्य-कलाप में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आप भी उन मित्रों के साथ सहयोगात्मक भावना से यदा-कदा उनकी सहायता के लिए समय-समय पर निश्चित रूप से जाते हैं।

आप मध्यम कद के उन्नत लालट एवं चमकीली आखों से युक्त हैं। आप अधिक समय तक सुंदर स्वास्थ्य से युक्त एवं आनंद प्राप्त करते रहेंगे। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उपस्थित होंगी। यथा मस्तिष्क ज्वर, कब्जीयत फोड़ा फुंसी एवं रक्त दोष से आशंत होंगे। आपको एक बार बीमार होने से परेशानी उपस्थित होगी कि आप दीर्घकालीन रोगग्रत होंगे तथा आपके दौर्बल्यता के कारण बेहोश भी हो जाया करेंगे, तथा आपको स्वास्थ्य लाभ की क्षमता सीमित मात्रा में रहेगी। अतएव आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अन्यथा इस प्रकार ऐसा संभाव्य है कि आप रोग से मुक्त नहीं हो सकेंगे। आपके द्वारा पसंद किया गया जीवन साथी के साथ पूर्ण रूपेण बहुत दिनों तक आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु एक बार अपनी इच्छानुसार आश्वस्त होकर सामंजस्य कर लें तो जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सामान्यतः आपको निर्देश है कि आपका प्रभाव बृष राशीय दृष्टिकोण से प्रभावित है अतः आपके लिए बृश्चिक, मीन, कन्या एवं मकर राशि के व्यक्ति अनुकूल रहेंगे। यदि आप इन राशि वालों से संबंधित रहे तों आपका भौतिकी जीवन सुखमय एवं मधुर रहेगा।

अंततः आप बहुत अधिक सचेत व्यक्ति हैं, अस्तु आपको निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देना आवश्यक है।

आप लाल रंग का उपयोग अपने जीवन में कदापि नहीं करें। क्योंकि यह रंग आपके लिए प्रतिकूल है। आपके लिए हरा, गुलाबी, एवं सफेद रंग जन्म प्रभाव से अनुकूल है।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक पूर्ण रूपेण प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 8 अंक आपके लिए आकर्षक है। अंक-1, 3, 4 एवं 6 अंक आपके लिए निष्क्रिय दिन हैं।